# RESUME

## SHIV SHANKAR JHA

House No. 59, Panchunkar Colony,
Dewas (M.P.)
Contact: 9718156396
Email Id:- ibshiv83@gmail.com

## CAREER OBJECTIVE

- To teach and care for children in a motivational way that is understanding of all student's needs.
- To give my best to the organization and help attaining its objectives as that would eventually help me grow both professionally and personally along with the Institute.

## ACADEMIC PROFIE:-

| Level | Board/University | Year | Percentage |
|---|---|---|---|
| B.A. | University Of Delhi | 2005 | 48% |
| Intermediate | B.I.E.C. Patna | 2000 | 68.5% |
| 10th | B.S.E.B Patna | 1998 | 56.85% |

## COMPUTER SKILLS :

- Computer Application: MS Office (MS Word, Ms Excel, MS PowerPoint & MS Excess)
  Internet Browsing & E-mail Literacy.

## EXPERIENCE :

- Worked at Coaching Class namely J.S. Academy, Dewas (Business Partner of Banker's Adda, New Delhi "Prominent coaching institute for preparation of Competitive Examination.") for more than one year.
- 2014-2015 1 Years Content Reader & Developing Work in Golden Peacock Publication' at Delhi, India.
- 2015-2016 1 Years Content Reader & Developing with Proof Reading Work in 'GS World' at Delhi India.
- 2016-2017 1 Years Content Reader & Developing Work in 'Cosmos Publication' at Delhi, India.

## STRENGTHS:-

- Hard Working.
- Lesson Planning.
- Positive attitude.

## Personal detail:-

| | |
|---|---|
| Name | : Shiv Shankar Jha |
| Father' Name | : Satya Narayan Jha |
| Mother's Name | : Hira Devi |
| Date of birth | : 12th July 1983 |
| Languages Known | : Hindi, English, Maithili |
| Nationality | : Indian |

## HOBBIES:-

- Reading Books
- Music & Watching Movies.
- Traveling & Interacting People
- Regular attend in Seminar.

## DECLARATION:-

I hereby declare that the above stated information is true to the best of my knowledge and belief. I would keep up to your expectations. I would always be keen to work for the Organization.

**Place:**

**Date:**

**(SHIV SHANKAR JHA)**

SERIES 5

# भारतीय अर्थव्यवस्था

## NCERT सार

(कक्षा VI-XII सहित)

(संघ लोक सेवा आयोग एवं विभिन्न राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी)

प्रथम संस्करण
TM No. 01181699
COSMOS PUBLICATION

महेश कुमार बर्णवाल

# भारतीय अर्थव्यवस्था

**NCERT**
**सार**

**(कक्षा VI–XII सहित)**

संघ लोक सेवा आयोग एवं विभिन्न राज्य स्तरीय परीक्षाओं के लिए समान रूप से उपयोगी

लेखन व संपादन
**महेश कुमार बर्णवाल**
(एस॰एस॰पी॰, पांडिचेरी पुलिस सेवा)

COSMOS PUBLICATION
TM No. 01181859
COSMOS PUBLICATION

# भूमिका

प्रस्तुत पुस्तक **भारतीय अर्थव्यवस्था** सिविल सेवा और राज्य सेवाओं की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप पूर्णतः परिवर्द्धित व परिमार्जित संस्करण है। सिविल सेवा की बदलती प्रकृति व प्रश्नों की व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए इस पुस्तक की विषयवस्तु को इस प्रकार से व्यवस्थित किया गया है, कि तथ्य व संकल्पना का बेहतर समन्वय हो सके। इस पुस्तक का महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें अनावश्यक सामग्री से बचते हुए यथासंभव यह प्रयास किया गया है कि कोई परीक्षोपयोगी प्रकरण न छूटे, ताकि विद्यार्थियों के बहुमूल्य समय को बचाया जा सके। इस पुस्तक में NCERT को आधार बनाकर भारतीय अर्थव्यवस्था का क्रमिक वर्णन एवं आरेख आदि महत्त्वपूर्ण प्रकरणों का सुबोध, सरल, क्रमिक व प्रवाहमय निरूपण किया गया है। अंत में सामयिक विषयों एवं अन्य विषयों को परिशिष्ट के रूप में शामिल कर पुस्तक की उपादेयता में वृद्धि की गयी है।

मैं धन्यवाद ज्ञापन करना चाहूंगा, उन प्रतियोगी, छात्रों एवं मित्रों का जिन्होंने इस पुस्तक के लेखन हेतु अनवरत प्रेरणा दी। इस पुस्तक को स्वरूप देने का कार्य **शिव शंकर झा, शैलेन्द्र रस्तोगी, अंकुर वाजपेयी** एवं **शैलेन्द्र शुक्ला** के सहयोग और समर्थन के बिना पूरा नहीं हो सकता था। मैं विशेष आभारी हूँ **संदीप राय, जगत पाल सिंह, वेद प्रकाश पाण्डे, रवि कुमार सिंह, बन्टी चौरसिया, अजय कुमार ( शुक्ल ), इन्द्रजीत व काकू ( कन्नू )** का जिन्होंने मुझे पुस्तक लेखन में अत्यधिक सहयोग दिया। पुस्तक को सुन्दर बनाने एवं बेहतर टाइपसेटिंग के लिए मैं **दिवेश कुमार** व **सोनू** को धन्यवाद देता हूँ।

अब पुस्तक आपके हाथों में है और मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक आपके लिए अवश्य उपयोगी सिद्ध होगी। प्रसिद्ध ग्रीक चिंतक **लोंजाइनस** ने कहा है कि **कोई भी रचना अथवा कृति पूर्ण नहीं होती और उसमें सदैव सुधार की असीम संभावनाएँ विद्यमान रहती हैं**, अतः प्रस्तुत पुस्तक भी इसका अपवाद नहीं है। अन्ततः सुधी पाठकों से अनुरोध है कि वे अपने बहुमूल्य सुझावों से अवगत करवाकर लेखक को अनुगृहित करें।

आपके उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ——

**महेश कुमार बर्णवाल**